AF-2098

B.A. (Part - III)
Term End Examination, 2017-18

Paper - I

Sanskrit Literature

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर स्पष्ट एवं सुवाच्य अक्षरों में दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 10

(क) अभिज्ञान शाकुन्तलम नाटक में अष्टपदात्मिका नान्दी का प्रयोग किस श्लोक में किया गया है ?

(ख) राजा दुष्यन्त किस वंश से संबंधित हैं ?

(ग) दुष्यन्त-शकुन्तला के पुत्र का क्या नाम है ?

(घ) 'पानुं न प्रथमं व्यवस्यति' यह कथन किसका है ?

(ङ) शकुन्तला की विदाई का प्रसंग किस अंक में वर्णित है ?

(च) 'श्लोक चतुष्टयम' किस अंक में प्रभावी है ?

(छ) गण कितने प्रकार के होते हैं ?

(ज) उपजाति के एक पद में कुल कितने वर्ण होते हैं ?

(झ) शिखरिणी छन्द के प्रत्येक चरण में कितने वर्ण होते हैं ?

(ञ) गच्छत् शब्द में कौन-सा प्रत्यय लगेगा ?

(ट) यत् प्रत्यय के सूत्र लिखिए।

(ठ) 'पाठक' बनाने में कौन-सा प्रत्यय लगेगा ?

(ड) आश्वपत: में कौन-सा प्रत्यय लगेगा ?

(ढ) 'चटका' में कौन-सा प्रत्यय लगेगा ?

(ण) 'जेयम्' में कौन-सा प्रत्यय लगेगा ?

इकाई-I

2. (क) निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं **दो** श्लोकों का सप्रसंङ्ग व्याख्या कीजिए : 15

(*i*) यदालोके सूक्ष्मं व्रजति सहसा तद्विपुलताम्
यदद्धा विच्छिन्नं भवतिकृत सन्धानमिव तत्।
प्रकृत्या यद्रक्रं तदपि समरेखं नयनयोर्न
मे दूरे किञ्चित् क्षणमपि न पार्श्वेरथर जवात्॥

(*ii*) वैखानसं किमनया व्रतभाप्रदानाद
व्यापाररोधि मदनस्य निषेवितव्यम्।
अत्यन्तमेव सदृशेक्षण-बल्लभाभि-
राहोनिवत्सयति समं हरिणाङ्गनाभि: ॥

(*iii*) विचिन्तयन्ती यमनन्यमानसा
तपोनिधिं वेत्सि न मामुपस्थितम्।
स्मरिष्यति त्वां न स बोधितोऽपि सन्
कथां प्रमत्त: प्रथमं कृतामिव॥

(*iv*) प्रजाः प्रजा स्वा इव तन्त्रयित्वा
निषेवते श्रान्तमना विविक्तम्।
यूथानि सञ्चार्य रविप्रतप्तः
शीतं गुहास्थानमिव द्विपेन्द्रः॥

(ख) निम्नलिखित श्लोकों में से किसी **एक** श्लोक का हिन्दी अनुवाद लिखिए : 5

(*i*) स्मृतिभिन्नमोहतमसो
दिष्टया प्रमुखे स्थितासि में सुमुखि।
उपरागान्ते शशि नः
समुपगता रोहिणी योगम्॥

(*ii*) उदेति पूर्वं कुसुमं ततः फलं
घनोदय प्राक्ः तदनन्तरं पयः।
निमित्तनैमित्तिकयोरयं क्रमस्तव
प्रसादस्य पुरस्तु सम्पदः॥

इकाई–II

3. शकुन्तला का चरित्र-चित्रण कीजिए। 10

अथवा

अभिज्ञान शाकुन्तलम् नाटक के आधार पर कालिदास के प्रकृति चित्रण पर एक लेख लिखिए।

इकाई–III

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** छन्दों के लक्षण और उदाहरण लिखिए : 15

(क) अनुष्टुप्

(ख) इन्द्रवज्रा

(ग) उपजाति

(घ) मालिनी

(ङ) शार्दूलविक्रीडित

(च) स्रग्धरा

इकाई–IV

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पदों को सूत्रनिर्देशपूर्वक स्पष्ट कीजिए : 10

(क) दर्शनीयः

(ख) जेयः

(ग) पठितुम्

(घ) लेखकः

(ङ) गच्छत्:

(च) वन्दमानः

इकाई–V

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पदों को सूत्रनिर्देशपूर्वक स्पष्ट कीजिए : 10

(क) वैनतेयः

(ख) लघुतमः

(ग) ग्रामता

(घ) नारी

(ङ) कुरुचरी

(च) गोपी